



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 172]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 7, 1983/वैशाख 17, 1905

No. 172] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 7, 1983/VAISAKHA 17, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय  
(व्यय विभाग)

अधिसूचना

3. उक्त नियमों के नियम 4 के पश्चात् निम्नलिखित  
जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

नई दिल्ली, 6 मई, 1983

सा. का. नि. 379(अ).—केंद्रीय सरकार, वित्त आयोग  
(प्रकीर्ण उपबंध) अधिनियम, 1951 (1951 का 33) की धारा 7  
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वित्त आयोग  
(वेतन और भत्ता) नियम, 1951 का और संशोधन करने के  
लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त  
नाम वित्त आयोग (वेतन और भत्ता) संशोधन  
नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वित्त आयोग (वेतन और भत्ता) नियम, 1951 के  
(जिसमें हममें हममें पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 2  
में उपनियम (1) के खंड (क) के पश्चात् निम्नलिखित खंड  
अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(कक) मंहगाई भत्ता और अतिरिक्त भत्ता ऐसी दरों  
पर लेगा, जो केंद्रीय सरकार के ऐसे कर्मचारी  
को अर्ज्य है जो 3,500 रु. प्रतिमास वेतन ले  
रहा है।”

“5. अतिरिक्त मंहगाई भत्ते के बारे में विशेष  
उपबन्ध : कोई ऐसा व्यक्ति जो सेवानिवृत्त  
सरकारी सेवक है या रिजर्व बैंक का कोई सेवा-  
निवृत्त सेवक है और जिसे आयोग के अध्यक्ष  
या सदस्य के रूप में पूर्णकालिक सेवा करने के  
लिए नियुक्त किया जाता है, यदि ऐसे पद के  
धारक को जो वह ऐसी सेवा निवृत्ति से ठीक  
पहले धारण कर रहा था संदेय मंहगाई भत्ते में  
ऐसी सेवानिवृत्ति के पश्चात् अतिरिक्त मंहगाई  
भत्ते के रूप में या किसी अन्य रीति से वृद्धि  
हो जाती है तो, इन नियमों के पूर्वगामी उपबंधों  
के अनुसार वेतन के अतिरिक्त ऐसी वृद्धि की  
रकम के बराबर या रकमों के योग के बराबर  
राशि का उगी रीति से और उसी सीमा तक  
हृकदार होगा मानों उसे ऐसे अध्यक्ष या सदस्य  
के रूप में उसकी नियुक्ति की तारीख से उस  
पद पर पुनर्नियोजित किया गया हो।

[एफ. 5(22)-सी एन.एफ.सी./82]

ए. सी. तिवारी, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Expenditure)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 6th May, 1983

**GSR. 379(E).**—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Finance Commission (Miscellaneous Provisions) Act, 1951 (33 of 1951), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Finance Commission (Salaries and Allowances) Rules, 1951 namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Finance Commission (Salaries and Allowances) Amendment Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 2 of the Finance Commission (Salaries and Allowances) Rules, 1951 (hereinafter referred to as the said rules), in sub-rule (1), after clause (a), the following clause shall be inserted namely:—

“(aa) to draw dearness allowance an additional dearness allowance at such as are admissible to an employee of the Central Government drawing a pay of Rs. 3,500 per mensem.”

After rule 4 of the said rules, the following rule shall be added, namely:—

“5. Special provision as to Additional Dearness Allowance.—A person, being a retired Government servant or a retired servant of the Reserve Bank, appointed to render whole-time service as Chairman or Member of the Commission shall, if the dearness allowance payable to incumbents of the post which he held immediately before such retirement has been increased whether by way of additional dearness allowance or in any other manner after such retirement, be entitled, in addition to salary in accordance with the foregoing provisions of these rules to a sum equal to the amount or the aggregate of the amounts of such increase, in the same manner and to the same extent as if he had been re-employed in such post with effect from the date of his appointment as such Chairman or Member.”

[F. 5(22)-CSFC/82]

A. C. TIWARI, Jt. Secy.